विचार प्रवाह

गणतंत्र का नया अध्याय: अधिकारों के शोर से कर्तव्यों के अनुष्ठान तक

26 जनवरी 2026 की सुबह जब हम राजपथ से कर्तव्यपथ पर कदम बढ़ाने को उद्दत होंगे तो 77वें गणतंत्र दिवस का सूर्योदय एक नई राष्ट्रीय चेतना का साक्षी बनेगा। यह वह कालखंड है जिसे भविष्य के इतिहासकार भारत का अमृतकाल लिखेंगे। 1950 में जब हमने अपने संविधान को अंगीकार किया था, तब हमारे सामने चुनौती थी बिखरे हुए भूगोल को एक राष्ट्र के रूप में एकसूत्र करना। 76 वर्षों की अनवरत यात्रा के बाद, चुनौती अलग है, इस राष्ट्र को मात्र एक भौगोलिक इकाई से आगे बढ़ाकर एक विश्वगुरु और आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित करना है। इस महायज्ञ में हमारा संविधान केवल विधियों और कानूनों की पुस्तिका भर नहीं, बल्कि हमारे राष्ट्रीय चरित्र का जेनेटिक कोड है, जिसे आत्मसात कर नागरीकों को अपने आचरण में उतारना होगा।

देशभक्ति का विकास-बलिदान से योगदान की ओर

हमें देशभक्ति की परिभाषा को समय की कसौटी पर कसना होगा। जब देश गुलाम था, तब देशभक्ति का अर्थ मातृभूमि की बेड़ियों को तोड़ने के लिए प्राणों की आहुति देना था। उस समय मरमिटना ही धर्म था। किंतु, स्वतंत्र भारत में देशभक्ति का स्वरूप बदल चुका है। आज भारत को अपनी सीमाओं पर प्राण देने वाले वीरों की जितनी आवश्यकता है, उतनी ही आवश्यकता देश के भीतर सार्थक जीवन जीने वाले समर्पित नागरिकों की भी है।

देशभक्ति तोप और तलवार की मोहताज नहीं है। वो तो एक मौन कर्मयोग है। यह वह देशभक्ति है जो बगैर कोई शोर किये अपने कर्म से राष्ट्र की नींव को फौलादी बनाती है। हमें यह समझना होगा कि हमारा संघर्ष अब किसी बाहरी शत्रु से नहीं, बल्कि अपनी ही कमियों, आलस्य, भ्रष्टाचार, अनुशासनहीनता और चलता है वाली मानसिकता से है। स्वराज हमें हमारे पूर्वजों ने दिया, अब इसे सुराज में बदलने का दायित्व हमारी पीढ़ी का है।

बिना वर्दी का सैनिक-व्यापक देशभक्ति की अवधारणा

इस गणतंत्र दिवस पर, हम एक नई अवधारणा व्यापक देशभक्ति को साथ लेकर आगे बढ़े, हम अक्सर सोचते हैं कि देश की सेवा केवल वर्दीधारी सैनिक, वैज्ञानिक या बड़े राजनेता ही कर सकते हैं। वास्तव में यह एक भ्रम मात्र है। आज भारत को करोड़ों बिना वर्दी वाले सैनिकों की आवश्यकता है। विचार कीजिए, जब एक नवशिक्षित युवा नौकरी मांगने के बजाय नौकरी देने वाला बनता है और अपने इनोवेशन से विदेशी निर्भरता कम करता है, तो वह एक सक्षम सैनिक है। जब एक गृहिणी अपने घर में बिजली और पानी की बचत करती है और मिशन लाइफ को अपनाती है, तो वह एक पर्यावरण सैनिक है। जब एक छात्र डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देता है और तकनीक का प्रयोग समाज की भलाई के लिए करता है, तो वह डिजिटल सैनिक है। एक करदाता जो ईमानदारी से कर चुकाता है, वह राष्ट्र के ढांचे का आर्थिक सैनिक है।

यही व्यापक देशभक्ति है। सड़क पर लाल बत्ती पर रुकना, सार्वजनिक संपत्ति को अपना समझना, और कतार में खड़े होकर अपनी बारी का इंतजार करना, यह सब राष्ट्रआराधना के ही रूप हैं। ये छोटे-छोटे कार्य जब 140 करोड़ बार दोहराए जाते हैं, तो राष्ट्र की प्रगति का एक ऐसा ज्वार उठता है जिसे दुनिया की कोई ताकत रोक नहीं सकती।

अधिकार बनाम कर्तव्य-संविधान की आत्मा

मानवीय सभ्यताओं का इतिहास गवाह है कि महानतम राष्ट्र वे नहीं बने जिनके पास सबसे अधिक संसाधन थे, बल्कि वे बने जिनके नागरिकों में कर्तव्य बोध सर्वोच्च था। पिछले 75 वर्षों में हमने अपने अधिकारों पर बहुत चर्चा की है। हम धरने पर बैठे, हमने मांगें कीं, और संविधान ने हमें वे अधिकार दिए भी। लेकिन, अधिकार और कर्तव्य एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। यदि हम केवल अधिकारों का भोग करेंगे और कर्तव्यों को विस्मृत कर देंगे, तो लोकतंत्र विकलांग हो जाएगा।

संविधान का अनुच्छेद 51क (मूल कर्तव्य) केवल कानूनी पंक्तियाँ नहीं हैं, वे एक श्रेष्ठ भारतीय नागरिक की परिभाषा हैं। प्रधानमंत्री जी ने जिस पंच प्रण का आह्वान किया था, उसका मूल यही है कि हम गुलामी की हर सोच से मुक्ति पाएं और नागरिक कर्तव्यों को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। क्या हम देश ने मुझे क्या दिया पूछने की बजाय यह बताने का साहस रखते हैं कि मैंने देश के लिए क्या किया? जिस दिन भारत का हर नागरिक, चाहे वह रिक्शा चालक हो या कंपनी का सीईओ, अपने काम को ही पूजा मान लेगा, उसी दिन भारत विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में सबसे आगे खड़ा नजर आएगा।

विश्व पटल पर भारत और हमारा चरित्र

आज विश्व भारत की ओर आशा भरी निगाहों से देख रहा है। चाहे वैश्विक कूटनीति हो, अंतरिक्ष विज्ञान हो या आर्थिक स्थिरता, भारत एक समाधान बनकर उभरा है। लेकिन एक राष्ट्र की वास्तविक शक्ति उसके सॉफ्ट पावर में होती है, और सॉफ्ट पावर को शक्ति मिलती है सामान्य नागरिक के आचरण से।

आज 2026 में खड़े होकर, जब हम 2047 जब हमारा देश अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा की ओर देखते हैं, तो प्रश्न यह उठता है कि हम आगामी पीढ़ी को कैसा भारत सौंपेंगे? क्या एक ऐसा भारत जो अभी भी विकासशील होने के संघर्ष में उलझा है, या एक ऐसा विकसित भारत जो दुनिया का नेतृत्व कर रहा है?

इसका उत्तर संसद के गलियारों में नहीं, बल्कि हमारे संकल्पों में है। आइए, इस गणतंत्र दिवस पर हम केवल तिरंगे को सलामी न दें, बल्कि अपने अंतर्मन में एक शपथ लें। शपथ लें कि हम याचक नहीं, निर्माता बनेंगे। शपथ लें कि हम भारत को अपनी जाति, धर्म या भाषा के चश्मे से नहीं, बल्कि भारतीयता के गौरव से देखेंगे।

हमारा हर कदम राष्ट्र के लिए उठे, हमारी हर सांस में राष्ट्र का हित हो। जब 140 करोड़ कदम एक ही दिशा में, एक ही लय और एक ही संकल्प के साथ पड़ेंगे, तो दुनिया की कोई भी ताकत भारत को परम वैभव के शिखर पर पहुँचने से नहीं रोक सकेगी। यही समय है, सही समय है।

-राजकुमार जैन, स्वतंत्र विचारक और लेखक

जब्बार शारिब हिंदी साहित्य समिति में पढ़ेंगे ग़ज़ल

इंदौर। जीवन की असली सच्चाई और सुख दुख की बातें कविता के माध्यम से कह देने वाली इंदौर के जब्बार शारिब (झांसी) एक फरवरी को हिंदी साहित्य समिति इंदौर में गीत और कविता पढ़ेंगे। अनेक काव्य आयोजनों में ग़ज़ल पड़ चुके जब्बार शारिब (झांसी) जी कहते हैं कि ये आयोजन सभी के लिए खुला है। कोई भी रचनाकार इस आयोजन में आकर कविता पाठ कर सकता है। सुधी श्रोताओं का प्रवेश निःशुल्क है। एक फरवरी रविवार को हिंदी साहित्य समिति में कवि सम्मेलन और मुशायरे का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें अलग अलग शहरों से कवि और शायर सम्मिलित होंगे। सभी कवि और शायारों को प्रोफेशनल वीडियो ग्राफर द्वारा कॉपी राइट फ्री फोटो और वीडियो निःशुल्क दिए जायेंगे।

इन्दौर और भोपाल में तैयार होंगे इलेक्ट्रिकल आइलैंडिंग प्रोजेक्ट

मध्यप्रदेश में अब नहीं होगा ब्लैक आउट

इन्दौर। मप्र में अचानक होने वाले ब्लैक आउट पर अब लगाम लगेगी। इसके लिए सरकार तकनीक का सहारा ले रही है। जानकारी के अनुसार इसके लिए भोपाल और इंदौर में इलेक्ट्रिकल आइलैंडिंग प्रोजेक्ट तैयार होंगे। इससे प्रदेश के बड़े शहरों में किसी भी आपात स्थिति में बिजली सप्लाई प्रभावित नहीं होगी।

खासकर जबलपुर में इस व्यवस्था को सुदृढ़ किया जा रहा है। क्योंकि जबलपुर में आर्मी प्रोडक्शन यूनिट्स और अन्य महत्वपूर्ण रक्षा प्रतिष्ठान मौजूद हैं। पावर ट्रांसमिशन कंपनी के एमडी के सुनील तिवारी का कहना है कि इलेक्ट्रिकल आइलैंडिंग प्रोजेक्ट को लेकर टेंडर जारी हो चुका है। तीन से चार महीने में इसका काम पूरा हो जाएगा। प्रोजेक्ट कंप्लीट हो जाने से किसी भी आपात स्थिति में शहर में बिजली सप्लाई की दिक्कत नहीं होगी। भोपाल-इंदौर के लिए भी प्रस्ताव भेजा गया है।

गौरतलब है कि जब भारत ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान के खिलाफ रणनीतिक मोर्चे पर सक्रिय था, उसी समय देश के भीतर भी एक अहम सुरक्षा तैयारी पर काम चल रहा था। जबलपुर में आर्मी प्रोडक्शन यूनिट्स और अन्य महत्वपूर्ण रक्षा प्रतिष्ठान मौजूद हैं। यहां तोपे, गोला-बारूद, बख्तरबंद सैन्य वाहन सहित रक्षा से जुड़ी सामग्री का निर्माण होता है। ऐसे में जबलपुर को किसी भी संभावित बिजली संकट से सुरक्षित रखने की योजना पर सरकार ने तेजी से काम शुरू किया। उद्देश्य साफ है अगर युद्ध या तकनीकी कारणों से देश की बिजली ग्रिड पर हमला हो या वह ठप हो जाए, तब भी जबलपुर

अंधेरे में न डूबे। इसके बाद भोपाल और इंदौर में इलेक्ट्रिकल आइलैंडिंग प्रोजेक्ट तैयार होंगे। इससे प्रदेश के बड़े शहरों में किसी भी आपात स्थिति में बिजली सप्लाई प्रभावित नहीं होगी।

इलेक्ट्रिकल आइलैंडिंग परियोजना को मंजूरी

जानकारी के अनुसार, जबलपुर में इलेक्ट्रिकल आइलैंडिंग परियोजना मई 2025 में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान स्वीकृत की गई, जो इसकी अहमियत को दर्शाती है। इस योजना के तहत अगर वेस्टर्न ग्रिड या राष्ट्रीय बिजली नेटवर्क में कोई बड़ी खराबी आती है, तो जबलपुर खुद के स्थानीय बिजली स्रोतों से संचालित हो सकेगा। यानी ग्रिड से अलग होकर शहर की आवश्यक सेवाओं को निर्बाध बिजली मिलती रहेगी। परियोजना का कार्य फिलहाल प्रगति पर है और इसे अगले तीन से चार महीने में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके बाद, यदि देश के अन्य शहर अंधेरे का सामना करें, तब भी जबलपुर में बिजली आपूर्ति जारी रहेगी। इससे रक्षा संस्थान, अस्पताल, ट्रैफिक सिग्नल और अन्य आवश्यक सेवाएं सुरक्षित रहेंगी। जुलाई 2012 में भारत में दो बड़े बिजली संकट आए थे। इस दौरान 30 और 31 जुलाई को देश के कई राज्यों में ब्लैकआउट हुआ था। इस देशव्यापी बिजली सकट से 22 राज्य प्रभावित हुए थे। ग्रिड ओवरलोड की वजह से यह स्थिति बनी थी। इसके बाद से देश के कई शहरों में इलेक्ट्रिकल आइलैंडिंग प्रोजेक्ट तैयार हो रहे हैं। इसके तहत जबलपुर के लिए अनुदान की स्वीकृति मिली थी। इसमें 90 प्रतिशत लागत केंद्र सरकार वहन कर रही है। इसके बाद से एमपी पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी ने इस पर काम शुरू कर दिया है। इसके लिए टेंडर भी जारी हो चुके है। भोपाल और इंदौर के लिए प्रस्ताव भेजा गया है, स्वीकृति मिलते ही काम शुरू होगा। जबलपुर में पहले से ही एक थर्मल पॉवर स्टेशन से ट्रासमिशन लाइन मौजूद है। आपात स्थिति में उस पावर स्टेशन की एक यूनिट को सक्रिय कर शहर को बिजली दी जाएगी। इस पूरे प्रोजेक्ट पर करीब 7 करोड़ रुपए का खर्च अनुमानित है। वहीं भोपाल और इंदौर के मामले में स्थिति अलग है। इन दोनों शहरों में किसी बिजली उत्पादन केंद्र से सीधी ट्रांसमिशन लाइन नहीं है। इसलिए परियोजना स्वीकृत होने के बाद नजदीकी थर्मल पॉवर स्टेशनों से समर्पित ट्रांसमिशन लाइनें बिछानी होंगी। मंजूरी और अनुदान मिलने के बाद इन शहरों में भी इलेक्ट्रिकल आइलैंडिंग लागू की जाएगी। उम्मीद है कि भोपाल और इंदौर के लिए भी जल्द स्वीकृति मिल जाएगी।

आदि पैक्स-2026 डाक टिकट प्रदर्शनी में 27 चित्रात्मक पोस्ट एवं विशेष आवरण जारी हुए

इंदौर (ओम पाटोदी)। हाल ही में कुम्हारी जैन तीर्थ में आयोजित जैनिज्म फिलेटली ग्रुप के राष्ट्रीय सम्मेलन के अन्तर्गत लगाई गई आदि पैक्स-2026 डाक टिकट प्रदर्शनी में 27 चित्रात्मक पोस्ट एवं विशेष आवरण जारी किए गए यह एक साथ इतनी डाक सामग्री का जारी होने से यह एक यादगार क्षण बन गया।

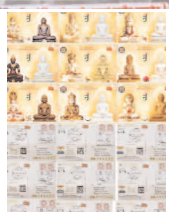

उक्त जानकारी देते हुए संस्थान के को-आर्डिनेटर तेजकरण जैन ने ओम पाटोदी को बताया छत्तीसगढ़ डाक परिमंडल एवं जैनिज़्म फ़िलाटेलिक सोसाइटी के संयुक्त तत्वाधान में कुम्हारी से लखक रायपुर तक 27 पिक्क्र पोस्टकार्ड, 27 स्पेशल कैंसलेशन एवं एक विशेष आवरण को ई-रिक्शा द्वारा लाया गया, जिसका विमोचन प्रधान डाकघर परिसर रायपुर में किया गया। इस अवसर पर प्रवर अधीक्षक रायपुर श्री हरिश कुमार महावर, श्री सौरभ असाटी सहायक निदेशक (स्टाफ), श्री जय सिंह पारधी सहित अधिकारियों एवं जैनिज़्म फ़िलाटेलिक सोसाइटी के चेयरमैन डॉ. प्रदीप जैन एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर जैनिज्म फ़िलाटेलिक सोसाइटी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं बालोद निवासी डॉ. प्रदीप जैन को उनकी समर्पित सेवाओं के लिए जैन कीर्ति सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान केवल्यधाम में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन आदि पैक्स-2026 के अवसर पर प्रदान किया गया।

सम्मान समारोह में कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लोकेश कावडीया (चेयरमैन, छत्तीसगढ़ स्टेट निशक्तजन वित्त एवं विकास निगम आयोग, रायपुर) सहित विशेष अतिथि सुरेश कंकरिया, जेपीएस के पूर्व अध्यक्ष सुधीर जैन (सतना) तथा तेजकरण जैन ने डॉ. जैन को सम्मानित किया।

श्री मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार मेवाडा समाज का अन्नकूट महोत्सव

इंदौर। श्री मैढ़ क्षत्रिय स्वर्णकार मेवाडा समाज का अन्नकूट महोत्सव शुभ कारज मेरिज गार्डन में संपन्न हुआ।

अध्यक्ष मनोज सोनी, युवा अध्यक्ष शैलेंद्र सोनी ,उपाध्यक्ष कमल सोनी

ने बताया कि लगभग 8 हजार समाज जनों ने अन्नकूट प्रसादी का लाभ लिया। भगवान जगदीश एवम समाज के पितृ पुरुष महाराजा अजमीढ़ जी की महा आरती की गई। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन मंत्री माननीय कैलाश विजयवर्गीय, सनातनी विधायक गोलू शुक्ला, भाजपा नेता हरिनारायण यादव, सुदर्शन गुप्ता, निरंजन सिंह चौहान,राजेश उदावत एवम कई गणमान्य अतिथियों ने अपनी गरिमा मय उपस्थिति दर्ज कराई।

मुरैना के गीतकार मयूर पाठक हिंदी साहित्य समिति में

इंदौर। मुरैना के गीतकार मयूर पाठक एक फरवरी को हिंदी साहित्य समिति इंदौर में गीत और कविता पढ़ेंगे। स्थापित और नवांकुर कवियों को मंच देने के लिए किए जा रहे इस कवि सम्मेलन को मयूर पाठक का भरपूर सहयोग मिला है। पाठक जी कहते है कि एक नियमित अंतराल में इस तरह के स्व आयोजित के कार्यक्रम होते रहना चाहिए जिससे कि मंच विहीन प्रतिभा शाली कवियों और शायरों को पर्याप्त अवसर मिलता रहे है।

एमपीपीएससी की सहायक प्राध्यापक 2025 भर्ती में अधिसूचनाएं नहीं निकलने से असंतोष

इंदौर ।हाल में ही मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा 2025 का नोटिफिकेशन जारी किया है। लेकिन इसमें कई महत्वपूर्ण विषयों के नोटिफिकेशन निकालना लोक सेवा आयोग भूल गया है।

जिस कारण अभ्यर्थियों में असंतोष बढ़ता जा रहा है। दर्शनशास्त्र, गृह विज्ञान, पुस्तकालय विज्ञान और संगीत जैसे विषयों को सहायक प्राध्यापक भर्ती से बाहर रखा गया है, जबकि इन विषयों में बड़ी संख्या में योग्य अभ्यर्थी उपलब्ध हैं।

जानकारों के अनुसार इन सभी विषयों में नियमित रूप से एमपी-सेट एवं यूजीसी-नेट परीक्षाएँ आयोजित की जा रही हैं। साथ ही, अनेक अभ्यर्थी इन विषयों में पीएचडी उपाधि प्राप्त कर उच्चतम शैक्षणिक योग्यता अर्जित कर चुके हैं। इसके बावजूद इन विषयों में सहायक प्राध्यापक पदों की भर्ती न होना योग्य अभ्यर्थियों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। शिक्षा विशेषज्ञों का भी कहना है कि इन विषयों में हजारों विद्यार्थी प्रतिवर्ष स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर अध्ययन कर रहे हैं, जबकि पर्याप्त संख्या में प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति नहीं हो पा रही है। इसके अतिरिक्त, उच्च शिक्षा विभाग के अंतर्गत इन विषयों के अनेक पद वर्तमान में रिक्त पड़े हुए हैं, जिससे महाविद्यालयों में नियमित शिक्षण व्यवस्था प्रभावित हो रही है।

अभ्यर्थियों ने लोक सेवा आयोग को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की है कि एमपीपीएससी सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा 2025 में दर्शनशास्त्र, गृह विज्ञान, पुस्तकालय विज्ञान एवं संगीत विषयों के नोटिफिकेशन जल्द ही निकाले जाएँ। इससे न केवल योग्य अभ्यर्थियों को अवसर मिलेगा, बल्कि प्रदेश की उच्च शिक्षा व्यवस्था भी सुदृढ़ हो सकेगी।

मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 14 मार्च को

इन्दौर। कार्यपालक अध्यक्ष राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली के निर्देशानुसार 14 मार्च 2026 को समस्त न्यायालयों में नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा। प्रशासनिक न्यायाधिपति श्री विजय कुमार शुक्ला के निर्देशन में म.प्र. उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर में 14.03.2026 (शनिवार) को राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जायेगा । समस्त पक्षकारों एवं अधिवक्तागण से अपील की गई है कि उपरोक्तानुसार म0प्र0 उच्च न्यायालय खण्डपीठ इन्दौर में लंबित प्रकरणों को नेशनल लोक अदालत के माध्यम से सुलह एवं समझौते के आधार पर निराकृत कराने हेतु म.प्र. उच्च न्यायालय खण्डपीठ इंदौर में प्रिंसिपल रजिस्ट्रार, ओ.एस.डी/रजिस्ट्रार, रजिस्ट्रार (एम), संबंधित सेक्शन एवं विधिक सहायता अधिकारी, उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति इंदौर से संपर्क कर अपने प्रकरणों को नेशनल लोक अदालत में रखने हेतु आवेदन/सूचना दे सकते हैं। लोक अदालत के माध्यम से प्रकरण का निराकरण होने पर शासन द्वारा अदा की गई कोर्ट फीस वापसी का भी प्रावधान है।

श्री शक्ति महिला संघ ने मनाया मकर संक्रांति पर्व

इंदौर । श्री शक्ति महिला संघ की महिलाओं ने मकर संक्रांति पर्व पूरे उमंग उल्लास से मनाया। एक दूसरे को हल्दी कंकू करके उपहार भेंट किए।

जानकारी देते हुए श्री शक्ति महिला संघ की संस्थापिका डिंपल शर्मा ने बताया कि सनातन धर्म के सारे त्योहार हम सब मिलकर बहुत धूमधाम से मनाते हैं। संस्थापिका डिंपल शर्मा, पायल शर्मा, शकुंतला ओझा, कुमकुम शर्मा, गीता पवार,पुष्पा पांडे, रीना तिवारी,शिवानी पंडित,रंजना एकतारे, प्रतिक्षा दुबे, बीना शुक्ला, भारती शर्मा, पूर्णिमा शर्मा, पुनीता शर्मा, विभूति व्यास, दीपिका हासिजा, प्रीति खानवलकर एवम बड़ी संख्या में उपस्थित महिलाओं ने तिल गुड़ के लड्डू एक दूसरे को खिलाए ।

समाधान योजना: 4.41 लाख उपभोक्ताओं की मिली 18 करोड़ की रियायत

इंदौर। पश्चिम क्षेत्र विद्युत कंपनी क्षेत्र यानि मालवा निमाड़ में प्रतिदिन हजारों उपभोक्ता समाधान बिजली योजना से जुड़कर लाभान्वित हो रहे हैं।

सोमवार शाम तक पश्चिम मप्र में 4.40 लाख से ज्यादा उपभोक्ता लाभान्वित हो चुके हैं। एक मुश्त मूल बिजली बिल जमा कर सरचार्ज पूरा माफ कराने वालों की संख्या 2.40 लाख से ज्यादा रही, शेष एक लाख 90 हजार से ज्यादा उपभोक्ता किश्तों में बकाया राशि जमा करने का विकल्प चुनने वाले रहे। समाधान योजना से बिजली कंपनी को 111 करोड़ रूपए से ज्यादा का राजस्व मिला है, जबकि कंपनी क्षेत्र के उपभोक्ताओं को करीब 18 करोड़ रूपए की रियायत प्रदान की गई है। समाधान योजना का सबसे ज्यादा इंदौर जिले के 50 हजार से ज्यादा उपभोक्ताओं ने लाभ लिया है। समाधान योजना में सर्वाधिक छूट की पात्रता 31 जनवरी तक प्रभावी है। बिजली कंपनी ने तीन माह से अधिक के बिजली बिल बकायादार उपभोक्ताओं से समाधान योजना लाभ लेकर एकमुश्त भुगतान कर 31 जनवरी के पहले सर्वाधिक सरचार्ज माफी प्राप्त करने की अपील की है।

पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में 256 करोड़ की सब्सिडी

इंदौर। अपने घर की छतों पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने वालों की संख्या में सतत बढ़ोत्तरी हो रही है। पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में अधिकतम 78 हजार प्रति घर सब्सिडी मिलने से सौर ऊर्जा के प्रति रूझान तेजी से बढ़ा और पश्चिम मप्र में रूफ टॉप सोलर अपनाने वालों की कुल संख्या 50500 तक पहुंच गई है। मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में अब तक 36200 घरों पर संयंत्र लगाए जा चुके हैं।

डॉ.कृष्णा जोशी जी का कविता पाठ

इंदौर। जीवन की असली सच्चाई और सुख दुख की बातें कविता के माध्यम से कह देने वाली इंदौर की डॉ.कृष्णा जोशी जीभएक फरवरी को हिंदी साहित्य समिति इंदौर में गीत और कविता पढ़ेंगे। अनेक काव्य आयोजनों में कविता पाठ कर चुकी डॉ.कृष्णा जोशी जी कहती हैं कि ये आयोजन सभी के लिए खुला है।